

Stamp 11/100/22

8-5468

6F

1000Rs.



*[Faint, illegible text in Hindi, likely bleed-through from the reverse side of the stamp]*



हम कि वृजराज पुत्र श्री बैचई सांभोव

परगणा तप्पा कस्वा परगना हवेली तहसील

सदर जिला गोखपुर के हैं

हम मुक्ति आराजीनवरीजे

*[Small handwritten text at the bottom]*

महाराष्ट्र शासन, वित्त विभाग, मुंबई - ४०० ००१

9000) . 29. 4. 90-2007

२३४० २३६०



82500  
117000

मुक्त रजिस्ट्री २३४० २३६०



वृत्त/पुला का लेख  
5/10/01 2/3

वृत्त/पुला

82500



वृत्त/पुला

वृत्त/पुला

वृत्त/पुला

Handwritten signature and date 5/10/01



के तन्हा मालिक व कार्रज दखील

हैं जिसके इतकाल का हर तौर

से कानूनी हक हम मुक्ति को

हासिल है हम मुक्ति आशा जीवकरी



के आवत रुक मुकदसा नम्बर ४७१/२०००

अदालत श्रीमान सिविल जज सिनिपर-

श्रीविजय गोशरपुर वृजराज बनमंशी

वैरद दारविल किचे वे अब हम

वृजराज



लोगों के बीच सुलझना ही जपा है

इस लिए हम मुक्ति उपरोक्त मुकदमें व

उठा लिए हैं। हम

को समझत कर दिए हैं। हम

दिलीप



मुक्ति को रूपे की सरत जरूरत

वास्तव तामीर मकान के दरपेशा है

ले हाजा हम मुक्ति व शुशी व

०२-०२-०५



रजामन्दी व दुरुस्ती होश व दवास

आवक अपने किला किली जण व

दकाव दीगरे आशजी नखरी जेल

का कनामा खतमी अखवज मु०

दणशज



₹ 2500 ब्यासी हजार पाँच सौ रूपया

जिसका आन्धा मु० ४९२५० रूपया

इकतालिस हजार दो सौ पचास रूपया

०५/०१/७५



होता है बंदस्त व बहक गी विन्दुमिस्तः

लिमिटेड वरशदवा विकासनगर

गौरखपुर वजिरस प्रबन्ध निदेशक

श्री. वन्दु प्रकाश अग्रवाल पुत्र

वृत्तान्त



स्व. गोविन्द प्रसाद सा. मौजा करगढ़वा तथा

कस्बा परगना हवेली तहसील सदर

जिला गोरखपुर कर दिया और

मुस्तरी मजकूर का कब्जा खत्म



मिस्टर अपने मालिकाना कारिजे-

दखील कर दिपा-वाहिर किमुस्तरी

मजकूर करुखराज नाम

हम मुकिर नाम आपना दर्ज

०५/०२/१९५३



कागजात सरकारी में करा कर

पुस्त दूर पुस्त हर तर से

भोग-भुगत करे या जो-चाहे सा

कल्याण



केशं जगदाद मुवैषा हर तौर के

गुरुस से कतर पाक व सफ है

आए अवजह फेल या तक फेल

हजारा



हम मुकिर व वारिस्थान व कापम.

मुकामान हम मुकिर कळजादबल

मुस्तरी मजबूर में कोइ

वृजराज



जुब्स व खलल वाका हवे पा

वे दखली हे जावे तो मुस्तरी भजकर

को उरिक्कार होगा कि अपना

शुभराज



कुल जरसमान माप हजि व खर्चा

व स्वद वशरह काबूनी हम मुक्तिर

की जाल व दीगए जापदाद है

श्रीमशज



वस्त्राल कार लेनीं जरसामन बुकल

जवळ पेशतर मुस्तरी मजकूर

से वस्त्राल पा चुके हैं, जवळ बुकल

वस्त्राल



वाकी नहीं है, लेखा पद रस्तावेज

मैनामा खतमी लिख दिपा

कि सम्प पर काम आवा

तफसील आशजी नक्की जैसे

वाका मौजा अरशा देवा तप्पा



कस्का पशना हवे ली तहसील सहर

जिला जोशरपुर / आराजी नम्बर

१४-ई रुक सौ उन्चास रुकका ०.२५१ हे

दशमलव दो पाँच रुक हे मे से

रुकका ०.०६३ हे दशमलव शून्य दः तीन

हे पानी रुकका -  $१५ \frac{१}{२}$  डिं सौ फद्रुड डिं



एक विधा लगान = ५५ पैसा है

पूरब : जमीन मुस्तरी मजदूर /

पश्चिम : जमीन मुस्तरी मजदूर /

उत्तर : जमीन मुस्तरी मजदूर /



दीक्षित: श्वेत अरुण टिब्बेटवाला ]

वाजा हो कि जापदाद

मुंबईपा वृषभ मराठी हो सङ्कस

शुभाशुभ



$\frac{9}{2}$  कि० मी० चकमाग से  $\frac{9}{2}$  कि० मी०

और आवारी से दो फलिंग की

इसी पर स्थित है विक्रेता अनुसुक्ति

०५/२/२०२१



